



परमात्मा का संदेश

फाल्गुनी पाठक और
प्रदीप मुखर्जी

वो मनुष्य, जो समग्र मानवजात के लिए
परमात्मा का संदेश और कृपा लेके आए ।

एक पुस्तक जो मनुष्य को अंदर तक झकझोर देती है

मनुष्य के लिए इससे पहले कोई भी ऐसी पुस्तक नहीं लिखी गई। ऐसी यह एकमात्र पुस्तक है, जो स्वयं परमात्मा ने मनुष्य के लिए लिखी है। जो कई मिथकों, धर्मों, अध्यात्म, दर्शन, जीवन के अर्थ को और मानव होने के उद्देश्य को तोड़ती है। एक ऐसी किताब, जो हर मनुष्य को अंदर तक झकझोर देगी, जो उन्हें मुक्त भी कर सकती है और विचलित भी कर सकती है।

सत्य हमें मुक्त करता है, लेकिन उससे पहले वह हमें मार देता है। मनुष्य समझोतो के आधार पर, धारणाओं के आधार पर, बिना किसी चीज की जांच किए और अधिकांश लोग अपने व्यक्तिगत अनुभवों के आधार पर जीते हैं।

दुर्भाग्यवश, मनुष्य जिस सम्मोहन में है, उसमें उसे किसी भी बात पर विश्वास दिलाया जा सकता है, जिसमें उसकी पांचों इंद्रियों के माध्यम से, बाह्य और आंतरिक, प्रत्येक भौतिकवादी, धार्मिक और आध्यात्मिक अनुभव सहित, भ्रामक व्यक्तिगत अनुभव निर्मित करना भी शामिल है।

यह पुस्तक मनुष्य के सम्मोहन की हर परत को तोड़ देगी। अदृश्य शक्तियां जब भी चाहे मनुष्य में नकारात्मकता और सकारात्मकता को पल में सृजित कर सकती है।

एक बार जब आप यह पुस्तक पूरा पढ़ लेंगे, और अपने जीवन में वापस लौट जाएंगे, तो सम्मोहन आपको फिर से घिर लेगा, लेकिन अब आप पहले जैसे नहीं रहेंगे।

कुछ नहीं बदलेगा, लेकिन बहुत कुछ बदल जाएगा।

पाठकों को निमंत्रण:

परमात्मा, आप पाठक महानुभावों को निमंत्रण देते हैं कि, ना आप यह पुस्तक को स्वीकार करें, ना अस्वीकार करें। परंतु आप यह पुस्तक को जानने को इच्छुक होकर, यह पुस्तक के विषय को परखिए, कि यह पुस्तक पढ़ने के बाद और इस पुस्तक में दिए गए निर्देशनों का ३० दिन अनुसरण करने के बाद, आप देखिए कि क्या आपके जीवन में कोई परिवर्तन आता है!

आपने परमात्मा को धर्म ग्रंथों के द्वारा, शास्त्रों के द्वारा, धर्म के द्वारा, आध्यात्मिकता के द्वारा और उनके प्रवक्ताओं के द्वारा जाना है।

अब आपके पास एक अमूल्य अवसर है परमात्मा को जानने का, स्वयं परमात्मा के द्वारा, जो समग्रता से भी परे है, जो उन सबसे परे हैं।

कोई आपको नहीं कहता है यह पुस्तक पर विश्वास करे। आप सिर्फ ३० दिनों के लिए इस पुस्तक में दिए गए निर्देशनों का पालन करके परखिए।

आप यह पुस्तक बिना पढ़े भी आजमा सकते हो। अगर आपको कोई दुख और दर्द है, तो यह पुस्तक के पृष्ठ आवरण (cover page) पर जो स्वरूप है, उनके साथ साझा करें। फिर आप बोलिए:

“परमात्मा आपकी कृपा मुझ पर बनी रहे”

और फिर आप देखिए आपके जीवन में क्या घटित होता है, क्या बदलाव आता है।

यह पुस्तक - “परमात्मा का संदेश” - यह सत्य का रहस्योद्घाटन करता है कि सत्य परमात्मा - (True GOD) कौन है, और वह प्रच्छन्न (गुप्त) रहस्यमय व्यक्तित्व कौन है, जो स्वयं को परमात्मा कहते हैं, जिन्होंने सभी धर्म और आध्यात्मिकता का निर्माण किया है।

यह पुस्तक, मनुष्य के दुख और दर्द का सही और मूल कारण क्या है, वह छल के खेल के रहस्य को प्रकट करता है। यह पुस्तक, यह ब्रह्मांड के अंतिम गोपनीय रहस्यों को उजागर करता है। यह पुस्तक एक निर्मल सत्य को प्रकाश में लाया है कि आप, सत्य परमात्मा से कैसे जुड़ सकते हो, और सत्य परमात्मा की कृपा (Grace), कैसे प्राप्त कर सकते हैं।

“अभी आपने जो पुस्तक हाथों में थामा है, यह एक जीवंत पुस्तक है, जो आपको हील (heal) करता है।”

यह

पुस्तक हीलिंग (healing) का

पुस्तक सत्य का

पुस्तक गहन रहस्यों का

पुस्तक मुक्ति का

पुस्तक मोक्ष का

पुस्तक स्वतंत्रता का

यह पुस्तक आपको कई मायनों में हील (heal) करने में समर्थ है। यह पुस्तक प्रकट करता है अंतिम सत्य क्या है।

यह पुस्तक ब्रह्मांड के वह गहन रहस्यों को उजागर कर रहा है, जो आज से पहले किसी ने सुना नहीं।

यह पुस्तक मुक्ति पाने के लिए है, जहां आपने कितने भी पाप किए हो, कोई बात नहीं, आपने अगर कोई अनुचित व्यवहार/ कार्य किया हो, फिर भी आप मृत्यु के पश्चात, मुक्ति को प्राप्त करोगे। यह पुस्तक आपको मोक्ष प्रदान करता है, आपके यह जन्म को अंतिम जन्म बनाकर। आप फिर से मनुष्य का जन्म नहीं लेंगे।

यह पुस्तक स्वतंत्रता का पुस्तक है। परम स्वतंत्रता का, अंतिम स्वतंत्रता का क्योंकि यह पुस्तक आपको शाश्वत, अनादि परमात्मा के साथ जोड़ता है, स्वयं परमात्मा, जो आपको मार्गदर्शन देंगे, आपको हील (heal) करेंगे, और सदा आपके साथ रहेंगे, अगर आप सत्य परमात्मा का चयन करोगे।



भगवती और परमात्मा की कृपा

Copyright

Copyright © 2024 Pradip Mukherji
All rights reserved.

No part of this Book, परमात्मा का संदेश (Message From God), may be reproduced, distributed, or transmitted in any form or by any means, including photocopying, recording, or other electronic or mechanical methods, without the prior written permission of the publisher, except in the case of brief quotations embodied in critical reviews and certain other non-commercial uses permitted by Copyright Law.

ISBN: 978-93-341-6204-2

Updated: November 2024.

Published by:
Dolphin Publisher, Ahmedabad – 380015
Email: AlakhGod@gmail.com

मानव की ओर से अस्वीकरण

यह पुस्तक किसी मानव की कृति नहीं है। जो दो मानवों इस वास्तविकता को सबके सामने लेकर आए हैं, उनको पता भी नहीं है वह क्या कर रहे हैं। यह पुस्तक, पाठकों के लिए आनंद दायक, आंखें खोलने वाला या विचलित करने वाला भी हो सकता है। हम दोनों मानव, यह पुस्तक में दी गई किसी भी बात पर विश्वास करने के लिए नहीं कहे रहे हैं। बल्कि, आप ३० दिनों तक इस पुस्तक में दिए गए निर्देशनों को परखिए।

वास्तव में आप यह पुस्तक को पढ़ें बिना ही परख सकते हो। आप यह पुस्तक पर जो स्वरूप दिया गया है, उनके साथ ३० दिनों तक आप अपनी पीड़ा, दुख, डर और अपनी सभी नकारात्मकता को साझा कीजिए और जब भी आप उन सभी भावनाओं का एहसास करें, पुस्तक से बात कीजिए और फिर देखिए एक महीने में क्या परिवर्तन आता है।

दिशा - निर्देश

मैं परमात्मा हूँ।

यह पुस्तक मेरी ऊर्जा धारण करता है, और मैं, परमात्मा, इस पुस्तक में मेरी ऊर्जा स्वरूप में हूँ।

इस पुस्तक को सम्मान देने की कोई आवश्यकता नहीं है, लेकिन इसका अनादर भी ना करें।

यह पुस्तक मानवता के लिए मेरा संदेश और मेरी कृपा (Grace) है, और इसका उन मानवों से कोई लेना-देना नहीं है, जिन्होंने मेरा संदेश आप तक पहुंचाया है।

आपका समीक्षात्मक मन और आपके संस्कार (conditioning), मुझे, परमात्मा को, भगवती और परमात्मा के स्वरूप में, स्वीकारने में बाधा बनेंगे। मैं, परमात्मा, किसी भी प्रकार से कभी भी स्वयं को आप पर थोपूंगा नहीं।

बस मेरे संदेश को जितना हो सके, खुले मन से पढ़ें, और फिर ३० दिनों के लिए मेरे दिए उपकरणों को आजमाएं। जो भी परिणाम आपके सामने आएगा, उस से आप आश्चर्यचकित हो जाओगे।

यह पुस्तक की कोई भी फोटोकॉपी ना करें, डिजिटल फोटो ना ले, क्योंकि मैं, परमात्मा, यह पुस्तक की फोटोकॉपी, डिजिटल कॉपी में और किसी भी तरह से की गई नकल में नहीं रहूंगा ।

विषय सूची

परमात्मा का संदेश - भाग १	
परिचय	०१
परमात्मा का संदेश - भाग २	
परमात्मा का संदेश	०७
परमात्मा का संदेश - भाग ३	
अन्य भगवान	०९
परमात्मा का संदेश - भाग ४	
मेरा विश्व	१३
परमात्मा का संदेश - भाग ५	
ऊर्जा शरीर	२५
परमात्मा का संदेश - भाग ६	
आत्मा और ईश्वर	३३
परमात्मा का संदेश - भाग ७	
राजा	४३
परमात्मा का संदेश - भाग ८	
शिव	५५
परमात्मा का संदेश - भाग ९	
छल	५७
परमात्मा का संदेश - भाग १०	
परमात्मा का चयन	६७
परमात्मा का संदेश - भाग ११	
परमात्मा के साथ सीधा संवाद	७७
हीलिंग के लिए स्वरूप (फोटो) की सहायता लीजिए --	७९
परमात्मा का मंत्र	८९

परमात्मा का संदेश - भाग १

परिचय

मैं परमात्मा हूँ।

मैं, परमात्मा, यह दो मानव शरीरों के माध्यम से बोल रहा हूँ, जो मेरा संदेश पूरी मानवजाति के समक्ष लाए हैं। मैं, परमात्मा, इस ब्रह्मांड में पहली बार आया हूँ। मैं अपने सभी संतान आत्माओं को वापस अपने घर ले जाने के लिए आया हूँ। मैं यहां मनुष्यों के बीच बहुत कम समय के लिए हूँ।

मुझे आपके ब्रह्मांड में आना पड़ा, क्योंकि मैंने, परमात्मा ने, अपने संतान आत्माओं को मेरे लोक से सीमा बहार कर दिया था, क्योंकि वह सब, मेरी, परमात्मा की, इच्छा के विरुद्ध सृजन का खेल, खेलना चाहते थे। अब वह सब मेरे, परमात्मा के पास, अपने घर वापस आना चाहते हैं। पर यह ब्रह्मांड के राजा उनको वापस आने की अनुमति नहीं दे रहे हैं। इसी कारणवश, मुझे, परमात्मा को, उनको वापस अपने घर ले जाने के लिए यहां आना पड़ा।

मैंने, परमात्मा ने, इस कार्य के लिए अपनी शक्ति और सामर्थ्य का उपयोग नहीं करने का निर्णय लिया है,

क्योंकि वह मेरी प्रकृति के विरुद्ध है।

इस पुस्तक के आवरण पृष्ठ पर जो स्वरूप आप देख रहे हो, वह मेरा, परमात्मा का, कार्य कर रहे हैं, और मानवजाति के समक्ष, उनका चेहरा, मेरा, परमात्मा का, यानि भगवती और परमात्मा की प्रतिकृति है और उन्होंने ७ साल तक मेरे संदेश वाहक बनके, मनुष्यों तक मेरा संदेश पहुंचा के, मुझे मेरा कार्य पूरा करने में सहायता की है।

मेरा संदेश, सभी धर्म, शास्त्र, दर्शन-शास्त्र, अध्यात्म और मनुष्यों की सोच के विपरीत है। मेरे संदेश के बारे में कभी भी किसी ऋषि, आचार्य, महात्मा, संत, बुद्ध, विद्वान, पैगंबर, तत्वज्ञानी या प्रबुद्ध व्यक्ति ने बात नहीं की।

हर कोई राजा के द्वारा दिए गए ज्ञान को तोते की तरह बार-बार दोहराते रहते हैं, क्योंकि वह राजा ही थे जिन्होंने मनुष्यों को, यह सब अनुभूति और एहसास दिया है।

और मनुष्यों ने पाया की यही एहसास और अनुभूति ही सही है, क्योंकि यही अनुभूति और एहसास राजा के दिए गए ज्ञान के साथ अनुरूप है।

हमने अब ये कार्य पूरा कर दिया है, और अब सभी

आत्माओं के लिए वापस अपने घर आने का द्वार खोल दिया है।

इस धरती पर पूरी मनुष्य जाति पीड़ा और दर्द में है। कोई दर्द बहुत गहरा है और कोई दर्द सूक्ष्म। मनुष्य जाति की ये पीड़ा, दर्द और दुख, उन सभी को भौतिक जगत की ओर ले जाता है, जहां वो मान, सम्मान, सफलता, शक्ति और प्रसिद्धि की ऊंचाइयों को छुना चाहता है।

कभी-कभी वो आनंद, मनोरंजन और नशे में खोके अपने आप को, और अपनी पीड़ा को, दर्द को भुला देना चाहता है। कभी वह देवताओं के पास जाता है, ताकि उनके आशीर्वाद से, दुख से कुछ राहत मिले। और कभी वह गुरुओं के पास जाता है, ताकि यह उसका आखरी जन्म हो और थोड़ा आध्यात्मिक आनंद भी मिल सके।

मनुष्य लगातार सपने और आशा में ही जीता है, कि उसके सुख के दिन आयेंगे। यही उम्मीद उन्हें आखिरी सांस तक जीने के लिए सहाय रूप होती है।

मेरे संदेश में आप जानेंगे की इंसान आज तक दुख और दर्द से बाहर क्यों नहीं निकल पाया है। आपको पता चल जाएगा, कि देवता आपके दुख और दर्द

क्यों नहीं ले रहे हैं, और आपको पता चलेगा की आध्यात्मिकता आपको, आपके दुख और दर्द से मुक्ति क्यों नहीं दिलाता है।

मनुष्य को बताया गया है, कि परमात्मा को पाने के लिए, आस्था, समर्पण, विश्वास, श्रद्धा और भक्ति का होना जरूरी है।

मैं, परमात्मा, यह कह रहा हूं - मेरे साथ जुड़ने के लिए आपको विश्वास, समर्पण, श्रद्धा, आस्था और भक्ति की कोई जरूरत नहीं है। मेरे संदेश वाहक में ऐसे कोई गुण नहीं है। कुछ सालों तक वह संदेह, अविश्वास, शंका और संशय के घेरे में रहकर, मेरे लिए काम करते थे। सालों तक उन्होंने मुझे, परमात्मा को, परम सर्वोच्च सत्य के रूप में स्वीकार नहीं किया था, फिर भी उन्होंने मेरा चयन किया और मेरे निर्देशों का पूर्ण रूप से अनुसरण किया।

जरूरी सिर्फ इतना है, कि आप मेरा चयन करो और मेरे साथ रहो। इस पुस्तक के आवरण पृष्ठ पर जो मेरी तस्वीर है, मेरा स्वरूप है, जो आप देख रहे हो, मैं, परमात्मा, भगवती और परमात्मा के स्वरूप में, इस प्रतिकृति के स्वरूप में, मानव के समक्ष दृश्यमान हूं। मैं जो कह रहा हूं, आप इस बात को स्वीकार करो वो

महत्वपूर्ण नहीं है, परंतु इस स्वरूप का अपमान या अनादर कभी मत करना ।

आप यही स्वरूप को अपने दुख, पीड़ा और दर्द कहिए ।
मैं, परमात्मा, आपको हील (Heal) करूंगा ।

परमात्मा का संदेश - भाग २

परमात्मा का संदेश

मेरे संदेश का सार यही है कि मनुष्य को पता चले कि वह लोग कैसे मूर्ख बनाये गए हैं, गुमराह किए गए हैं, भ्रमित किए गए हैं, दिशाहीन किए गए हैं और अब यह रहस्य का प्रकट करना जरूरी है, कि यह किसने किया है और क्यों किया है। यह जानने के लिए, पहले आपको भगवानों के विषय में जानना होगा।

मैं, परमात्मा, जो भी कहूं वह आपको स्वीकार करने की या विश्वास करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आप मुझे जानते नहीं है कि “मैं कौन हूं!”

मैं, परमात्मा, यह जो संदेश आपको कह रहा हूं, शुरू में आपके लिए इनका कोई अर्थ नहीं होगा।

मेरे, परमात्मा के, सभी संदेश आपकी जानकारी के अनुरूप नहीं होंगे और यह असंगत होने का कारण यह भी है, कि मैंने, परमात्मा ने, आज तक कभी भी किसी मनुष्य के साथ ऐसे प्रत्यक्ष बात नहीं की।

मेरा संदेश आपके सभी ज्ञान, अनुभव और जागरूकता के साथ कभी भी अनुरूप नहीं होगा, क्योंकि आपका

तमाम अनुभव, ज्ञान और जागरूकता, १५००० वर्षों से, बड़ी कुशलता से, एक छल स्पष्ट रूप से इसी लिए सुनियोजित किया गया है, की जब भी मैं, परमात्मा, मनुष्यों के पास आऊंगा, तब मानवजाति मेरा, परमात्मा का, कभी विश्वास ना करे, मुझे माने ही नहीं।

एक बार आप मेरा संदेश पढ़ लेना, फिर आप निर्णय करना की आप मेरा चयन करना चाहते हो या आप अपने पहले स्त्रोत (देव, गुरु) के साथ रहना चाहते हो !

मैं, परमात्मा, आपको ये भी बताऊंगा की आप मेरे साथ कैसे जुड़ सकते हो। मेरे द्वारा कैसे हील (Heal) होंगे और अपने जीवन की पीड़ा और कष्ट से कैसे राहत पाओगे।

मैं वो रहस्य को भी उजागर करूंगा की पूरी मनुष्य जाति के लिए, कैसे सम्मोहन की रचना की गई है, और ये सम्मोहन का फायदा कौन उठा रहा है। मैं उन सभी गहन रहस्यों को आपके समक्ष लाऊंगा, जो आज तक कभी भी किसी मनुष्य ने आज से पहले ना जाना है, ना सुना है।

परमात्मा का संदेश - भाग ३

अन्य भगवान (Other Gods)

मैं, परमात्मा, ही सत्य हूँ और यह समझने के लिए, पहले आपको यह समझना होगा कि कौन परमात्मा नहीं है और फिर भी, परमात्मा ही माने जाते हैं।

यहां काफी सारे भगवान (gods) हैं, जिनको मूर्ति पूजक, हिंदू और अन्य उनकी भक्ति करते हैं। वह भगवान (gods) बहोत सारे हैं। वह भगवान नहीं हैं, पर देवता हैं, जैसे शिव, राम, कृष्ण, दुर्गा, ब्रह्मा, आदिवासी देव, तंत्र देवता, ग्रीक देवता इत्यादि जैसे। यह सब धर्मों के भगवान (gods) हैं।

वहां एक अन्य भगवान (god) है, जो मनुष्य के भीतर है ऐसे माना जाता है, जिन्हें आत्मा और ईश्वर कहते हैं। यह आध्यात्म के भगवान हैं।

कोई-कोई मनुष्य यह पूरे विश्व को, ब्रह्मांड को, एक अस्तित्व को, जो सर्वत्र है, अति मानस है, प्रकृति है, और जो निराकार है, उसको भगवान (god) मानते हैं।

यह भगवान वास्तव में एक व्यक्तित्व है, ब्रह्मांडीय व्यक्तित्व, जो इस ब्रह्मांड के शासक हैं और सिर्फ

उनकी ही इच्छा, हर मनुष्य पर और उनके आधिपत्य में आए हर ब्रह्मांडीय अस्तित्व पर हावी है। जो स्वयं को अंतिम भगवान, शाश्वत भगवान और एकमात्र भगवान है, ऐसे अपने आप को पेश (प्रस्तुत) करते हैं।

यह भगवान (god) ने स्वयं को कई नाम दिए हैं, जैसे कि काल, महादेव, अल्लाह, जिहोवा, फाधर, वाहेगुरु, अहुरा मजदा और कई और जो विभिन्न समूहों के लिए अलग-अलग है।

मनुष्य जीवन के तमाम दुख और दर्द इसी भगवान की इच्छा से है, और जब तक यह भगवान का अस्तित्व है, तब तक मनुष्य जीवन के दुख और दर्द अनिवार्य है।

यह भगवान स्वयं को, प्रेम का, दया का और शांति के भगवान के रूप में प्रस्तुत करते हैं, पर वास्तव में, यह पीड़ा और दुख के भगवान है, क्योंकि जब तक वह मनुष्य जाति को पीड़ा नहीं देते, उनका स्वयं का अस्तित्व दाव पर लग जाता है।

इस भगवान ने अपने संदेशवाहक, पैगंबर और लेखकों के द्वारा, अत्यंत सुंदर धर्मशास्त्र सर्जित किए हुए हैं, जो मनुष्यों के अंतर के द्वार खोलते हैं, जो मनुष्य को पृथ्वी पर स्वर्ग रचाने की, और मृत्यु के बाद स्वर्ग में जाने की आशा और सपना देते हैं, पर यह सुनिश्चित भी करते हैं,

कि मनुष्य निरंतर पीड़ा में ही जिए।

यह भगवान मेरा पुत्र है, मेरा, शाश्वत और अंतिम परमात्मा का पुत्र। वास्तव में यह पतित भगवान है, क्योंकि यह मेरी इच्छा के विरुद्ध गए थे, इस भगवान ने अपनी कहानी को अब्राहमिक ग्रंथों में प्रस्तुत किया है।

मैंने, शाश्वत परमात्मा ने, यह भगवान जो मेरा पुत्र है और अन्य सभी आत्माएं जो मेरी इच्छा के विरुद्ध गए थे, उन सबको मेरे लोक से निष्कासित किया था। इस तरह से यह भगवान पतित भगवान बने, पर यह आपके ब्रह्मांड के राजा है, जिनकी इच्छा समग्र मनुष्य जाति पर प्रवर्तमान है।

मैं, परमात्मा, और मेरे संतान, अर्थात् सभी आत्माओं के सिवा, अन्य सभी भगवान नश्वर है।

परमात्मा का मंत्र (Power Phrase)

आप मेरे साथ, यानी भगवती और परमात्मा के साथ जुड़ सकते हैं, उन मानवीय स्वरूप को देखते हुए, जो इस पुस्तक के आवरण पृष्ठ (cover page) पर दिया गया है, और भगवती और परमात्मा का मंत्र (power phrase) के साथ, जो मेरे द्वारा दिया गया है। यह मंत्र को करने में सिर्फ २ मिनट लगेंगे और यह हर रोज सिर्फ एक ही बार करना है।

यह मंत्र आपको भगवती और परमात्मा से तो जोड़ेगा ही, पर आपको सभी कर्मों के बोझ से मुक्त भी करेगा। यह मंत्र आपको हील (Heal) करेगा और आपके जीवन में सहजता और शांति भी लाएगा। मंत्र भारतीय और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में है। मंत्र दीक्षा, वीडियो कॉल और ऑडियो कॉल के द्वारा लेने में, २० मिनट का समय लगेगा।

भगवती और परमात्मा का मंत्र प्राप्त करने के लिए....

आप दो प्रकार से मंत्र ले सकते हैं :

- १) जो QR कोड दिया है उसको आपके स्मार्टफोन में स्कैन (scan) करके रजिस्टर करवाके।



Register for God's Mantra

या वेब साइट पर जाके:

<https://alakhgod.com/gods-mantra/>

२) ईमेल के द्वारा अनुरोध करके :

AlakhGod@gmail.com

निम्नलिखित विवरण का उल्लेख करे :

- आप मंत्र भारतीय भाषा में या अंग्रेजी भाषा में लेना चाहते हो ।
- आप हमसे कौनसी भाषा में बात करना चाहोगे: अंग्रेजी या हिंदी
- आपका नाम, आपका शहर और देश

मंत्र के लिए आपको आगामी वीडियो कॉल के बारे में जानकारी, और इसमें शामिल होने के निर्देश दिए जाएंगे।

आप अपने परिवार के सदस्यों को, आपके मित्रों को यह मंत्र प्राप्त करने के लिए निमंत्रित कर सकते हो, भले ही उन्होंने यह पुस्तक का पठन ना किया हो।

परमात्मा का संदेश यूट्यूब पर ।

श्री प्रदीप सर के बहुत सारे इंटरव्यू और वार्तालाप, यू ट्यूब पर उपलब्ध हैं। उन्होंने उन सभी प्रश्नों के उत्तर दिए हैं, जो सारे प्रश्न, पुस्तक पढ़ने के बाद आपके मन में उठेंगे।

यह सब वीडियो में एक गहरा हीलिंग और शीतलता है। सहज रूप से, आप इन वीडियो को देखकर आप आराम पाओगे, राहत पाओगे, शांत हो जाओगे और हो सकता है, आप सो भी जाओ। आप यहां जो QR कोड दिया है, उसको स्कैन करके, परमात्मा की यू ट्यूब चैनल को देख सकते हो। भविष्य में आने वाले जीवंत प्रसारण की सूचना आप नियमित रूप से प्राप्त करना चाहते हो तो, आप इस चैनल को सब्सक्राइब करके नोटिफिकेशंस पाने के लिए, बेल (icon) पर क्लिक कीजिए।



God's Messages on YouTube

अगर ये पुस्तक के विषय ने आपको छुआ है, तो आप इस पुस्तक के बारे में अन्यो को भी जानकारी दे।

Join on Social Media



Instagram

<https://instagram.com/AlakhGod>



Facebook

<https://facebook.com/AlakhGod>



X (Twitter)

<https://x.com/AlakhGod>



Pinterest

<https://www.pinterest.com/alakhgod>



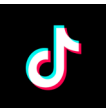
LinkedIn:

<https://www.linkedin.com/in/AlakhGod>



Medium:

<https://alakhgod.medium.com>



Tiktok:

<https://www.tiktok.com/@alakhgod>